भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : **677**
गुरुवार, 25 जुलाई, 2024 / 3 श्रावण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

नए विमानपत्तन

677. श्री खगेन मुर्मुः
श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशनः

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान सरकार द्वारा कितने नए विमानपत्तनों की स्थापना की गई है;
(ख) आगामी तीन वर्षों के दौरान सरकार द्वारा कितने विमानपत्तनों की स्थापना किए जाने का प्रस्ताव है; और
(ग) आगामी तीन वर्षों के दौरान नागर विमानन मंत्रालय के अंतर्गत रोजगार के कितने अवसर सृजित किए जाने की संभावना है?

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): भारत सरकार ने देश भर में 21 नए ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों लिए नामत: गोवा में मोपा, महाराष्ट्र में नवी मुंबई, शिरडी और सिंधुदुर्ग, कर्नाटक में कलबुरगी, विजयपुरा, हसन और शिवमोग्गा, मध्य प्रदेश में डबरा (ग्वालियर), उत्तर प्रदेश में कुशीनगर और नोएडा (जेवर), गुजरात में धोलेरा और हीरासर, पुडुचेरी में कराईकल , आंध्र प्रदेश में दगदरथी, भोगापुरम और ओरवाकल (कुर्नूल), पश्चिम बंगाल में दुर्गापुर, सिक्किम में पाक्योंग, केरल में कन्नूर और अरुणाचल प्रदेश में होलोंगी (ईटानगर) की स्थापना के 'सैद्धांतिक' अनुमोदन दिया है। इनमें से 12 ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे परिचालनिक हो चुके हैं।

पिछले 3 वर्षों में 7 ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे परिचालनिक हो चुके हैं, जिनमें 2021 में ओर्वाकल, 2021 में सिंधुदुर्ग, 2021 में कुशीनगर, 2022 में ईटानगर, 2023 में मोपा, 2023 में शिवमोग्गा और 2023 में हीरासर (राजकोट) शामिल हैं।

शेष ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों में से, जिनके लिए इस मंत्रालय द्वारा 'सैद्धांतिक' अनुमोदन प्रदान किया गया है, नवी मुंबई, विजयपुरा, हसन, नोएडा (जेवर), धोलेरा और भोगापुरम हवाई अड्डों के पूरा होने की संभावित तिथि अगले तीन वर्ष है।

तथापि, हवाईअड्डों के निर्माण की समयसीमा विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है, जैसे भूमि अधिग्रहण, अनिवार्य क्लियरेंस, बाधाओं को हटाना, संबंधित हवाईअड्डा विकासकर्ता द्वारा वित्तीय समापन आदि।

(ग): हवाईअड्डे आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में उभरे हैं और राज्य की अर्थव्यवस्था पर इनका गुणक प्रभाव पड़ता है। नागर विमानन क्षेत्र और आर्थिक विकास के बीच का संबंध सर्वविदित है। अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) के अध्ययन से पता चलता है कि हवाई संपर्क का आर्थिक गुणक 3.1 और रोजगार गुणक 6.1 है।

******